Class XII

Dr Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

परिवार - परिवार सामाजिक व्यवस्था की सबसे लघु इकाई है। समाज में परिवार ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण समूह है। मानव की समस्त सामाजिक संस्थाओं में परिवार का आधारभूत और सर्वव्यापी संगठन है। संस्कृति के प्रत्येक स्तर पर किसी न किसी रूप में पारिवारिक संगठन अनिवार्य रूप से पाया जाता है। किसी भी समाज की संरचना को समझाने के लिए परिवार को ही एक बुनियादी इकाई के रूप में देखा जाता है।

Family शब्द का उद्भव लैटिन शब्द Famulus से हुआ है जो एक ऐसे समूह के लिए प्रयुक्त हुआ है जिसमें माता पिता बच्चे नौकर और दास है। प्रजनन तथा जैविक इकाई के रूप में परिवार में सामाजिक स्वीकृति से यौन सम्बन्ध रखने वाले एक स्त्री और एक पुरुष और उनकी सन्तान होते हैं। सामाजिक इकाई के रूप में परिवार को दो लिंगों के व्यक्तियों का वह समूह कहा जाता है जो विवाह या रक्त या गोद लेने के अधिकार से जुड़े हुए हों जो आयु लिंग और सम्बन्धों पर आधारित भूमिकाएं

2020-8-20 07:46

धारण करते हैं और जो सामाजिक रूप से स्थायी तरह में रहते है।

विभिन्न विद्वानों ने परिवार को इस प्रकार परिभाषित किया है–

मैकाइवर एवं पेज के अनुसार," परिवार पर्याप्त निश्चित यौन सम्बन्ध द्वारा परिभाषित एक ऐसा समूह है जो बच्चों के जनन एवं लालनपालन की व्यवस्था करता है।"

डा० दुबे के अनुसार," परिवार में स्त्री और पुरुष दोनों को सदस्यता प्राप्त होती है उनमें से कम से कम दो विपरीत यौन व्यक्तियों को यौन सम्बन्धों की सामाजिक स्वीकृति रहती है और उनके संसर्ग से उत्पन्न संतान मिलकर परिवार का निर्माण करते है।

मरडोक के अनुसार," परिवार एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसके लक्षण सामान्य निवास, आर्थिक सहयोग और जनन है। इसमें दो लिंगों के बालिग शामिल है जिनमें कम से कम दो व्यक्तियों में स्वीकृत यौन सम्बन्ध होता है और जिन बालिग व्यक्तियों में यौन सम्बन्ध है, उनके अपने या गोद लिये हुए एक या अधिक बच्चे होते है।

2020-8-20 07:47

लुसी मेयर के अनुसार, "परिवार एक गृहस्थ समूह है जिसमें माता पिता और सन्तान साथ-साथ रहते हैं। इसके मूल रूप में दम्पति और उसकी सन्तान रहती है।

अतः स्पष्ट है कि परिवार को जैविकीय सम्बन्धों पर आधारित एक सामाजिक समूह के रूप में परिभाषित करते हैं जिसमें माता पिता और बच्चे होते हैं तथा जिसका उद्देश्य अपने सदस्यों के लिए सामान्य निवास, आर्थिक सहयोग, यौन सन्तुष्टि और प्रजनन, समाजीकरण एवं शिक्षण आदि की सुविधाएं जुटाना है।

2020-8-20 07:47